

## सत्र 14: व्यवस्थाविवरण 31-34

डॉ. सिंधिया पार्कर

यह डॉ. सिंधिया पार्कर और व्यवस्थाविवरण की पुस्तक पर उनका शिक्षण है। यह अंतिम सत्र है, सत्र 14, व्यवस्थाविवरण 31-34।

### परिचय

ठीक है, तो हम व्यवस्थाविवरण की पुस्तक खत्म कर रहे हैं। तो, हमारे व्याख्यान समाप्त हो रहे हैं, और हम कुछ ढीले धागों को जोड़ना शुरू करने जा रहे हैं जिन्हें हम अब तक पूरी किताब के माध्यम से खींच रहे हैं। इसलिए, मैंने शुरुआत में ही उल्लेख किया था कि जब हमने अपना पहला ऐतिहासिक वर्णन किया था, तो हमने इस बारे में बात की थी कि कैसे अध्याय 1-3 वास्तव में व्यवस्थाविवरण की पुस्तक के साथ समाप्त होते हैं। तो, इन अंतिम अध्यायों में जिन्हें हम आज देख रहे हैं, हम इन अध्यायों 1-4 को देख रहे हैं, जिससे हमें एक साथ इकट्ठा होने और व्यवस्थाविवरण के माध्यम से बड़े प्रमुख विषयों को पेश करने में मदद मिली। फिर हमारे पास 5-30 हैं जिन पर हम पिछले सभी व्याख्यानों में चर्चा करते रहे हैं। और अब हम अध्याय 31 से 34 में हैं। ये पुस्तकें जो मैंने यहां चित्रित की हैं, वैसे, पॉटरी बार्न से हैं। इसलिए, यदि आप रुचि रखते हैं, तो आप उनकी सूची देख सकते हैं।

इसलिए, हमने देखा है कि पुस्तक के मूल में कानून संहिता कैसे है। व्यवस्थाविवरण में एक फोकस है जो कानून संहिता की ओर इशारा कर रहा है क्योंकि कानून संहिता वह है जो लोगों को ईश्वर द्वारा अपने लोगों को दी जा रही भूमि में एक पूर्ण मानव अस्तित्व जीने की अनुमति दे रही है। लेकिन हमने इतिहास का अध्ययन करके और लोगों को ध्यान में रखते हुए कानून संहिता पेश की है। हमने भौगोलिक दृष्टि से प्लेसमेंट किया, साथ ही ऐतिहासिक दृष्टि से भी प्लेसमेंट किया। और हम यह देखना शुरू करेंगे कि इन पिछले कुछ अध्यायों में समानताएँ हैं। साथ ही, हम मूसा के

जीवन भर के अंतिम कार्यों पर चर्चा कर रहे हैं, और इसलिए अब हमें मूसा की कथा का समापन करना है, और वह अध्याय 34 में समाप्त होगा।

## अंतिम बुकेंड

इसलिए, जैसे ही हम शुरू करते हैं और हम इस बाहरी ढाँचे में प्रवेश करते हैं, मैं इसे व्यवस्थाविवरण की पुस्तक का अंतिम पुस्तक-अंत कहने जा रहा हूँ। अब हम इनमें से कुछ पुनरावृत्तियों को देखने जा रहे हैं जो व्यवस्थाविवरण अध्याय 1-4 या 1-3 तक प्रतिध्वनित होती हैं। इसलिए, जैसे ही हम प्रवेश करते हैं, हम इस अध्याय को एक ऐतिहासिक अवलोकन के साथ शुरू करते हैं, ठीक इसी तरह व्यवस्थाविवरण अध्याय 1 की शुरुआत हुई। इसलिए, हमारे पास पहले ऐतिहासिक आख्यान है, और फिर हम यह देखेंगे कि इस अध्याय के लिए हमारे पास एक बहुत ही विशिष्ट संगठन कैसे है। इसलिए, हमारा जोर कानून पर है। हमारा जोर जोशुआ पर है क्योंकि जोशुआ अब मूसा से नेतृत्व लेने जा रहा है। हमें ठीक मध्य में यह मान्यता है कि धर्मत्याग होने वाला है

ऐसा होगा कि इस्राएली परमेश्वर से विमुख हो जायेंगे।

और फिर यह जोशुआ के उल्लेख पर वापस जाता है, और यह कानून की अवधारणा पर वापस जाता है। फिर से, हम कह सकते हैं कि यदि हमने 31 को वैसे ही छोड़ दिया, तो ऐसा लगता है कि इस विचार का निर्माण हो रहा है कि इस्राएली ईश्वर को अस्वीकार करने जा रहे हैं, और यह चित्रित करने के लिए एक नकारात्मक संदेश प्रतीत होता है। सिवाय इसके कि इसका अंत यह है कि यह हमें मूसा के गीत की ओर ले जाता है, जो कि अध्याय 32 है। तो, वास्तव में, हम इससे जो कुछ लेते हैं, इस विचार के साथ कि कानून को लिखा जाना चाहिए, वह यह है कि यहोशू है अगले नेता बनने जा रहे हैं। हमें पता चला कि ऐसा होने की बहुत संभावना है, और इसलिए, हमें लोगों को

उनके इतिहास को याद रखने और यह याद रखने में मदद करने के लिए कि भगवान कौन है, अध्याय 32 में मूसा के गीत की तरह कुछ की आवश्यकता है।

### **व्यवस्थाविवरण 31 - बूथ कानून पाठ का पर्व, योद्धा के रूप में भगवान, ओग और सीहोन**

तो, आइए अध्याय 31 को देखना शुरू करें। यह ऐतिहासिक हिस्सा है। इसलिए, वे जो कुछ हो रहा है उसकी कहानी याद कर रहे हैं। तो आयत एक में, "मूसा ने जाकर सारे इस्राएल को ये बातें सुनाई, और उस ने उन से कहा, 'आज मैं एक सौ बीस वर्ष का हो गया हूँ। मैं अब आने जाने में समर्थ नहीं हूँ। और यहोवा ने मुझ से कहा है, तुम यरदन को पार न करना। वह तुम्हारा परमेश्वर यहोवा है जो तुम्हारे आगे आगे पार करता है। वह उन जातियों को तुम्हारे आगे से नाश करेगा, और तुम उन्हें अपने अधिकार में कर लोगे। यहोशू ही वह है जो तुम्हारे आगे आगे चलेगा, जैसा यहोवा ने कहा है।"

तो, हमें योद्धा के रूप में भगवान का यह विषय मिलता है, और पहली बार हमने इसे व्यवस्थाविवरण 1 में भी सुना था। और फिर हमें ओग और सीहोन राजाओं का उल्लेख मिलता है जिनका उल्लेख व्यवस्थाविवरण में अध्याय एक और अध्याय तीन दोनों में किया गया था। "इसलिये यहोवा उन से वैसा ही व्यवहार करेगा जैसा उस ने एमोरियोंके राजाओं सीहोन और ओग से किया, और उनके देश से भी जब उस ने उनको नाश किया। यहोवा उनको तेरे साम्हने कर देगा, और तू उन से सब के अनुसार व्यवहार करना।" जो आज्ञाएं मैं ने तुम्हें दी हैं, दृढ़ और साहसी बनो, उन से मत डरो और न थरथराओ, क्योंकि तुम्हारा परमेश्वर यहोवा तुम्हारे संग चलनेवाला है। वह तुम्हें न तो धोखा देगा, और न त्यागेगा।" तब मूसा ने यहोशू को बुलाकर सारे इस्राएल के साम्हने कहा, हियाव बान्ध और साहस कर, क्योंकि तू उन लोगोंके संग उस देश में जाएगा, जिसे देने की शपथ यहोवा ने उनके पूर्वजों से खाई है, और तू उसे दे देना। उन्हें एक विरासत के रूप में। यह

प्रभु ही है जो तुम्हारे आगे आगे चलता है। वह तुम्हारे साथ रहेगा। वह तुम्हें निराश नहीं करेगा और न ही तुम्हें त्यागेगा। न डरो और न निराश होओ।"

और फिर हम पद 9 में पाते हैं, "तो, मूसा ने यह व्यवस्था लिखी और याजकों को दे दी।" और फिर, हर बार जब यह दोहराया जाता है, "मूसा ने यह कानून लिखा," हम हमेशा रुकते हैं, और हम कहते हैं, यह कानून क्या है? क्या यह अध्याय 12 से 26 तक है? क्या यह इसके खंड हैं, क्या यह इसके अंश हैं, इसमें क्या शामिल है? और यही वह लोग हैं जो भाषा की वास्तविक बारीकियों का अध्ययन करना पसंद करते हैं, वे व्यवस्थाविवरण में गहराई तक जाने की कोशिश करते हैं ताकि यह पता लगा सकें कि व्यवस्थाविवरण का मूल, सबसे प्राचीन हिस्सा क्या है जो यह कानून होगा।

लेकिन जिस चीज़ को हमें दूर करने की ज़रूरत है वह यह है कि मूसा ही वह है जो इस मौखिक शिक्षा को ले रहा है और लोगों के लिए कुछ लिख रहा है।

### **झोपड़ियों के पर्व पर कानून का पाठ**

और फिर मूसा ने लेवियों और याजकों को यह आज्ञा दी, कि सात सात वर्ष के अन्त में कर्ज़ माफ करने के वर्ष के समय में, झोपड़ियों के पर्व में, जब सब इस्राएली यहोवा के साम्हने हाज़िर होने को आएँ, परमेश्वर जो स्थान चुन ले, वहां सब इस्राएलियोंके साम्हने यह व्यवस्था पढ़कर सुनाना, और क्या पुरूष, क्या स्त्री, क्या बालक, क्या परदेशी, जो तेरे नगर में हों उनको इकट्ठा करना, कि वे सुनो, और सीखो, और अपने परमेश्वर यहोवा का भय मानना, और इस व्यवस्था के सब वचनों का पालन करने में चौकसी करना; और उनके लड़केबाले जो अब तक नहीं जानते थे, वे सुनकर सीखेंगे, और जब तक तुम उस देश में जिसके आस पास रहते हो, तब तक अपने परमेश्वर यहोवा का भय मानते रहना सीखोगे। अधिकार पाने के लिए जॉर्डन पार करना।"

हमने इस बारे में बात की है कि कैसे व्यवस्थाविवरण में अध्याय 6 के अंदर और बाहर अध्याय 11 में एक जोर दिया गया है, "अपने बच्चों को ये शब्द सिखाओ, जब तुम उठो, जब तुम लेटो, जब तुम अपने घर में हो, जब आप सड़क पर होते हैं, जब आप पैदल चल रहे होते हैं, जब

आप काम कर रहे होते हैं, जब आप खाना खा रहे होते हैं, सुबह से रात तक हर गतिविधि में आप अपने बच्चों को कानून सिखा रहे होते हैं। इसलिए, व्यवस्थाविवरण तब तक जोर देता रहा है अब माता-पिता से बच्चे तक कानून का यह बहुत ही व्यक्तिगत प्रसारण है।

और अब हम देखते हैं, अब जैसे मूसा इन शब्दों को लिख रहा है और इसे याजकों की देखभाल में सौंप रहा है। उनका कहना है कि एक सभा है। एक समय होता है जब बूथों के पर्व के दौरान हम सभी सामूहिक रूप से पूरे समाज के रूप में एक साथ आते हैं। और यदि आप मेरी कक्षा में होते, तो मैं आपको यह बताने की चुनौती देता, क्या आपको याद है कि वह कौन सा महीना है और वह कौन सी छुट्टी मना रहा है?

लेकिन यह वह समय है जब पुजारियों को इस कानून को जोर से पढ़ना चाहिए ताकि एक बार फिर, सामूहिक रूप से लोगों के रूप में, हम पहचान सकें कि यह कुछ है। हम सब इस पर सहमत हैं।

### **कानून के सार्वजनिक वाचन पर अन्य पाठ**

अब, यदि हम ऐतिहासिक आख्यानों को देखें और इसके बारे में सोचें, तो क्या कभी ऐसा समय आया है जब ऐसा हुआ हो? खैर, कुछ ऐसा ही, कानून को पढ़ना, लोगों का एक साथ आना और उस पर सहमत होना, यहोशू की किताब के अंत में होता है।

यह राजा योशियाह के सुधारों के ठीक समय पर भी होता है। वे लोगों को एक साथ लाते हैं, वे इन शब्दों या कानून की किताब को पढ़ते हैं, और लोग पश्चाताप करते हैं क्योंकि उन्हें एहसास होता है कि वे कानून से कितने दूर आ गए हैं।

हम इसे एज्रा की पुस्तक में भी देखते हैं। इसलिए, जब यहूदी बाबुल की भूमि से, बाबुल की निर्वासन से, जो अब फारस की भूमि है, वापस आ रहे हैं। वे आ रहे हैं, और वे यहूदिया में रह रहे हैं। एज्रा ने सभी लोगों को एक साथ इकट्ठा किया, और वह उन्हें कानून की पुस्तक जोर से पढ़कर सुनाता है। तो, हमारे पास ऐसे उदाहरण हैं जहां यह दर्ज किया गया प्रतीत होता है कि हर कोई एक साथ इकट्ठा हुआ था। लेकिन क्या हर सात साल में ऐसा होता था, हर बार कर्ज माफ़ होता था?

हम वास्तव में नहीं जानते कि यह कोई चीज़ है या कोई परंपरा है जो इस्राएलियों ने वास्तव में की थी। लेकिन यह कुछ ऐसा है जो लोगों के लिए उद्देश्यपूर्ण और लाभदायक के रूप में दर्ज किया गया है ताकि उन्हें एक बार फिर कानून के विवरण की याद दिलाई जा सके, जिस तरह से उन्हें भगवान के प्रति अपने प्यार को साबित करने के लिए कार्य करना चाहिए।

मैं कुछ और श्लोक छोड़ रहा हूँ क्योंकि मध्य भाग दूसरा है। इस प्रकार यहोशू, यहोवा, मिलापवाले तम्बू में यहोशू और मूसा को एक साथ बुलाता है और कहता है, "यहोशू, मैंने तुम्हें चुना है, और तुम ही अभिषेक होने वाले हो।"

### मूसा के गीत का परिचय

श्लोक 19 में, अरे नहीं, वास्तव में, मैं श्लोक 17 में शुरुआत करना चाहता हूँ। एक मान्यता है; यह वह है जो लोगों के धर्मत्याग को पहचान रहा है।

यह कहता है, "तब उस दिन मेरा क्रोध उन पर भड़क उठेगा। मैं उन्हें त्याग दूंगा और उन से अपना मुंह छिपा लूंगा। वे नष्ट हो जाएंगे, और उन पर बहुत सी विपत्तियाँ और संकट आ पड़ेंगे, इसलिये उस दिन वे कहेंगे, 'क्या इसका कारण यह नहीं है कि हमारा परमेश्वर हमारे बीच में है, कि ये बुराइयाँ हम पर आ पड़ी हैं।' परन्तु उस दिन जो बुराई वे करेंगे उसके कारण मैं निश्चय अपना मुंह छिपा लूंगा, क्योंकि वे पराये देवताओं की ओर फिरेंगे। इसलिये अब तुम यह गीत अपने लिये लिखो, और इस्राएलियों को सिखाओ, और उनके लिये इस को रखो। इसलिये कि यह गीत इस्राएलियोंके विरूद्ध मेरे लिथे गवाही ठहरे; क्योंकि जब मैं उनको उस देश में जहां दूध और मधु की धाराएं बहती हैं पहुंचाऊंगा, जिसके विषय में मैं ने उनके पुरखाओंसे शपथ खाई या, और वे खाकर तृप्त हो गए, और मालामाल हो गए, तब वे दूसरे देवताओं की ओर फिरेंगे, और उनकी उपासना करेंगे, और मेरा तिरस्कार करेंगे, और मेरी वाचा तोड़ देंगे।"

तो, यह मान्यता कि इन शिक्षाओं को उनके दिमाग में सबसे आगे रखने के लिए यह गीत आवश्यक है। क्योंकि जब वे अंदर जाते हैं, और जीवन उनके लिए आसान हो जाता है जब वे जंगल के बीचों-बीच नहीं होते और मौत के दरवाजे पर होते हैं, और जीवित रहने के लिए संघर्ष कर

रहे होते हैं जब जीवन उनके लिए थोड़ा आसान होता है, यह भूलने का सबसे आसान समय होता है कि वे कैसे थे वहा मिल गया। और इसलिए, यह गाना उन्हें याद रखने में मदद करने के लिए है।

तो अध्याय का अंत कहता है, "तब मूसा ने उसी दिन यह गीत लिखा और इस्राएल के पुत्रों को सिखाया। तब उसने नून के पुत्र यहोशू को आज्ञा दी, और कहा, 'दृढ़ और साहसी बनो, क्योंकि तुम लाओगे इस्राएल के पुत्रों को उस देश में ले आओ, जिसके विषय मैं ने उन से शपथ खाई है, और तुम्हारे संग रहूंगा। जब मूसा इस व्यवस्था के वचनों को पुस्तक में लिख चुका, जब तक कि वे पूरी न हो जाएं, तब मूसा ने वाचा का सन्दूक और यहोवा की वाचा उठानेवाले लेवियोंको यह आज्ञा दी, कि व्यवस्था की इस पुस्तक को लो, और रख दो। तेरे परमेश्वर यहोवा की वाचा के सन्दूक के पास रहें, कि वह तेरे विरुद्ध गवाही देता रहे। क्योंकि मैं जानता हूँ, कि जब तक मैं तेरे साथ जीवित हूँ, तब तक तेरा विद्रोह और हठ बना रहेगा, और तू ने यहोवा से बलवा किया है। इससे भी अधिक, जब मेरे मरने के बाद। तो अपने गोत्रों के सब पुरनियों और हाकिमों को मेरे पास इकट्ठा करो, कि मैं उनको ये वचन सुनाऊं, और आकाश और पृथ्वी को उनके विरुद्ध साक्षी करने के लिये बुलाऊं।' क्योंकि मैं जानता हूँ, कि मेरी मृत्यु के बाद तुम भ्रष्ट हो जाओगे, और जिस मार्ग से मैं ने तुम्हें आज्ञा दी है उस से फिर जाओगे, और अन्त के दिनों में तुम पर विपत्ति आ पड़ेगी। क्योंकि तुम वह काम करोगे जो यहोवा की दृष्टि में बुरा है, और उसे क्रोधित करोगे। अपने हाथ की कारीगरी से क्रोध करना।"

तो फिर, उनमें से एक और कुछ हद तक मूसा के निराशावादी अंत की तरह लगता है, इस महान नेता के लिए, जो जंगल के माध्यम से उनका नेतृत्व कर रहा है, जो उन्हें उनकी भूमि के किनारे तक ले आया है, बस व्यावहारिक रूप से यह पहचानने के लिए कि वे जारी रहेंगे जैसा वे अतीत में थे वैसा ही रहें। इसलिए, उनके पास कुछ ऐसा होना चाहिए जो उनके दिलों को उत्तेजित करता रहे और उन्हें आज्ञाकारिता और अपने भगवान को याद करने के लिए उकसाए और यह भी कि वे भगवान के लोग कौन हैं।

**व्यवस्थाविवरण 32--मूसा का गीत**

तो, हम अध्याय 32 की ओर बढ़ रहे हैं। अध्याय 32 को मूसा का गीत कहा जाता है। इसे व्यवस्थाविवरण के सबसे पुराने भागों में से एक माना जाता है। पुस्तक में जो कविता है, उसमें जिस भाषा का प्रयोग किया गया है, वह कहीं अधिक प्राचीन समय को प्रतिबिंबित करती प्रतीत होती है। यह, कम से कम, एक बहुत, बहुत पुरानी कविता है जिसे बहुत पहले ही सिखाया गया था और इज़राइलियों के बीच प्रसारित किया गया था। यह वह कविता है जिसकी भविष्यवक्ताओं के लेखों में कई अलग-अलग गूँजें हैं। तो, हम वास्तव में यह सोचकर शुरुआत करने जा रहे हैं कि एक गाना होना कितना अलग है और एक गाना होना कितना आवश्यक है।

### एक गीत का महत्व

मैं एक प्रसिद्ध व्याख्यान या वार्ता में अपने शब्द रखने जा रहा हूँ। आप इस बातचीत के पहले शब्दों को पहचान भी सकते हैं और नहीं भी: "मेरा एक सपना है।" और कभी-कभी, केवल उन चार शब्दों के साथ, अगर मैं कहता हूँ, "मेरा एक सपना है," तो लोग तुरंत मार्टिन लूथर किंग जूनियर के बारे में सोचते हैं। यह हमारे सांस्कृतिक ताने-बाने का हिस्सा है। खैर, यह उस भाषण का हिस्सा है, और यह एक बहुत ही शक्तिशाली और बहुत सुंदर भाषण है। और यदि आपने स्वयं मार्टिन लूथर किंग को नहीं सुना है, तो सुनाइये; इसकी कई रिकॉर्डिंग्स हैं, आपको उनका भाषण सुनना चाहिए। हो सकता है आपने भाषण पढ़ा हो। हो सकता है कि आपने लोगों को यह बात करते सुना हो कि भाषण कितना शक्तिशाली है। हो सकता है आपने भाषण याद कर लिया हो। मैंने भाषण कई बार पढ़ा। मुझे लगता है यह आश्चर्यजनक है।

लेकिन "मेरे पास सपना है" वाक्यांश के अलावा, अगर कोई मेरे लिए सिर्फ एक उद्धरण था, उस भाषण के बीच में एक खंड, तो मैं इसे मार्टिन लूथर किंग के साथ तुरंत जोड़ने में सक्षम हो भी सकता हूँ और नहीं भी। शायद इसलिए कि यह इतना प्रसिद्ध भाषण है कि, मैं ऐसा करूँगा, लेकिन हर कोई नहीं करेगा, भले ही वे जानते हों कि "मेरा एक सपना है", हर कोई तुरंत भाषण के पूरे संदर्भ को नहीं देख सकता है और आपको बता सकता है कि वास्तव में सभी शब्द क्या हैं भाषण के लिए हैं।



अब, आइए इसे एक गीत के विपरीत रखें। यह एक पुराना गाना है। यह एक पुरानी फिल्म से आता है। "सूरज कल निकलेगा।" यह फिल्म एनी से है।

और यह उन गीतों में से एक है जो इस मायने में शक्तिशाली नहीं है कि यह हमें इस महान सांस्कृतिक संदर्भ को नहीं सिखा रहा है। यह मार्टिन लूथर किंग के उपदेश या बातचीत जैसा नहीं है। यह सिर्फ एक गाना है। और फिर भी मैं गीत के बीच से कुछ शब्द चुन सकता हूँ, इसे गाना शुरू कर सकता हूँ, और मुझे यकीन है कि आप में से कई लोग इसमें शामिल होंगे। वास्तव में, एक खतरा है कि अगर मैं यह गीत गाना शुरू कर दूँ, "सूरज डूब जाएगा कल बाहर आओ। कल अपने निचले डॉलर पर दांव लगाओ।" हो सकता है कि वह गाना पूरे दिन आपके दिमाग में अटका रहे। आपका स्वागत है।

तो, गानों के बारे में कुछ ऐसा है जिसे सीखना आसान है। धुन उसके दिमाग में अटक जाती है और यहीं तक गूंजने लगती है। तो, गाने उपदेश और बातचीत से बहुत अलग हैं।

तो, ऐसा क्यों है कि मूसा को एक गीत लिखने और उसे लोगों को सिखाने की आवश्यकता है?

उनके पास कानून की लिखित जानकारी है। वह हृदय है। यह वह है जो अपने लोगों के लिए भगवान के दिल और करुणा को दर्शाता है, लेकिन उन्हें कुछ ऐसी चीज़ की ज़रूरत है जिसे याद रखना बहुत आसान हो। और इसलिए यह वह गीत है जो मूसा लोगों को सिखाता है।

### **मूसा का गीत - व्यवस्थाविवरण 32:1-2**

तो, यह मूसा का गीत है। यह शुरू होता है, "हे स्वर्ग, कान लगाओ और मुझे बोलने दो, और पृथ्वी को मेरे मुंह के शब्द सुनने दो।" यह गवाहों के लिए उस बात को गवाही देने का बुलावा है जो लोगों को बताया जा रहा है। और मुझे श्लोक 2 का यह श्लोक बहुत पसंद है, यह कहता है, "मेरी शिक्षा वर्षा के समान गिरे और मेरी वाणी ओस के समान, ताजी घास पर बूंदों के समान और जड़ी-बूटियों पर वर्षा के समान फैले।"

इसलिए, मैंने ओस की एक तस्वीर खींचने की कोशिश की जो घास पर बूंदों के रूप में एकत्रित हो जाती है। इस रूपक का प्रयोग करके यह क्या कह रहा है? यह, जैसे ही पानी शाखाओं पर, घास के पत्तों पर, या पौधों की शाखाओं और पत्तियों पर इकट्ठा होता है, वे नीचे गिरते हैं और धीरे से मिट्टी में समा जाते हैं। और मूसा कहता है, "वैसे ही मेरे वचन भी तुम पर ओस की नाईं गिरें।" सर्दियों की भारी बारिश नहीं जो आती है और आपके ऊपर बरसती है, बल्कि ऐसा हो सकता है कि वे आप पर इकट्ठा हो जाएं और मिट्टी में गिर जाएं।

### **व्यवस्थाविवरण 32:3-8 - इस्राएल के विद्रोह और परमेश्वर की विश्वासयोग्यता का इतिहास**

श्लोक 3 में, "क्योंकि मैं प्रभु के नाम का प्रचार करता हूँ, हमारे परमेश्वर चट्टान की महानता का गुणगान करता हूँ। उसका कार्य उत्तम है। क्योंकि उसके सभी मार्ग न्यायपूर्ण हैं, वह विश्वासयोग्य और अन्याय रहित परमेश्वर है। वह धार्मिकता और सीधई है। उन्होंने उसके प्रति भ्रष्ट आचरण किया है। वे अपने दोष के कारण उसके बच्चे नहीं हैं, बल्कि एक विकृत और कुटिल पीढ़ी हैं। क्या तुम प्रभु को इस प्रकार बदला देते हो? हे मूर्ख और मूर्ख लोगों, क्या वह तुम्हारा पिता नहीं है जिसने तुम्हें खरीदा है? उसी ने बनाया है तू ने तुझे स्थिर किया है। प्राचीनकाल के दिनों को स्मरण कर; पीढ़ी पीढ़ी के वर्षों पर विचार कर। अपने पिता से पूछ; वह तुझे बताएगा, और तेरे पुरनिये तुझे बताएंगे; जब परमप्रधान ने मनुष्यों को अलग करके जाति जाति को उनका भाग दिया, उसने इस्राएल के पुत्रों की संख्या के अनुसार लोगों की सीमाएं निर्धारित कीं।

और अब हम व्यवस्थाविवरण में जो बहुत आम बात है, उसे हम बदल रहे हैं और हम अपना इतिहास दोहरा रहे हैं। यहाँ व्यवस्थाविवरण के बिल्कुल अंत में और यहाँ पेंटाटेच के बिल्कुल अंत को छोड़कर, हम उत्पत्ति 1 और 2 पर कुछ प्रतिबिंबों के साथ समाप्त होते हैं। कुछ उधार उसी प्रकार की भाषा है। तो जैसे ही हम आगे बढ़ें, उसे सुनें।

### **व्यवस्थाविवरण 32:9-10 और उत्पत्ति 1 और 2**

तो, पद 9 में, यह कहा गया है, "क्योंकि प्रभु का भाग उसकी प्रजा है। याकूब उसकी विरासत का आबंटन है। उसने उसे एक रेगिस्तानी देश और जंगल के गरजते खंडहर में पाया।"

और वास्तव में, वहां "चीख-चीखकर बर्बादी" हो रही है, मुझे उत्सुकता होगी कि आपका अनुवाद क्या कहता है और आपकी बाइबिल इसकी व्याख्या कैसे करती है। यह "रेगिस्तानी भूमि" के समानांतर है, लेकिन ये शब्द वास्तव में तोहू के लिए उपयोग किए जाते हैं वबोहू, जो गहरी अंधकारमय अराजकता है जो उत्पत्ति 1 में दिखाई देती है। इसलिए, उत्पत्ति 1:1 में जब यह कहा गया है, "आरंभ में," जब भगवान सृजन की प्रक्रिया शुरू करते हैं, और आत्मा गहराई में लहरा रही है। वह गहरा तोहू है वबोहू . और यह उस रेगिस्तानी भूमि के बारे में बात करने का एक दिलचस्प तरीका है जहां से भगवान अपने लोगों को ढूंढ रहे हैं।

तो फिर, पद 10 में। "उसने उसे जंगल में और जंगल के गरजते हुए जंगल में पाया। उसने उसे घेर लिया; उसने उसकी देखभाल की। उसने अपनी आंख की पुतली की तरह उसकी रक्षा की। एक उकाब की तरह जो अपने आप को हिलाता है घोंसला, जो अपने बच्चों पर मंडराता है।" और फिर, वह शब्द, "मँडराना" वास्तव में स्पंदन-प्रकार का अधिक अर्थ रखता है। यह आप एक ऐसे पक्षी की कल्पना कर सकते हैं जो अपने घोंसले को लेकर बहुत सावधानी और चिंता के साथ फड़फड़ा रहा हो। दिलचस्प बात यह है कि यह बिल्कुल वही क्रिया है जो उत्पत्ति अध्याय 1 में आत्मा के बारे में बात करती है जो गहराई में मंडराती या फड़फड़ाती है। इसलिए, हम यहां सुन रहे हैं कि यह एक तरह की सृजन कहानी है जिसे उन शब्दों में बताया जा रहा है जिनका उपयोग किया गया है मूसा का गीत.

### **व्यवस्थाविवरण 32:11-15 भूमि की उपज**

इसलिए, "उसने अपने पंख फैलाए और उन्हें पकड़ लिया, उसने उन्हें अपने परों पर ले लिया, यहोवा ने अकेले ही उसका मार्गदर्शन किया। उसके साथ कोई विदेशी देवता नहीं था। उसने उसे पृथ्वी के ऊंचे स्थानों पर सवारी कराई, और उसने उनकी उपज खाई।" मैदान, और उस ने उसे चट्टान में से मधु और चकमक की चट्टान में से तेल चुसाया। गायों का दही, भेड़-बकरियों का दूध, मेमनों और मेढ़ों की चर्बी, बाशान और बकरियों की नस्ल, और सर्वोत्तम गेहूं और खून तू ने अंगूरों का दाखमधु पिया।

### **व्यवस्थाविवरण 32एल15-21 अपने परमेश्वर को भूल जाना**

यह वास्तव में उस वास्तविक, वास्तविक उपज के बारे में बात करने का एक बहुत ही काव्यात्मक और सुंदर तरीका है जो भूमि में पैदा हुई थी। "परन्तु यशूरुन मोटा हो गया, और लात मारने लगा।" तो जेश्रून याकूब का दूसरा नाम है, या यह याकूब का संदर्भ है। तो, यह इज़राइल के बारे में बात करने का एक और तरीका है। सो, यशरून मोटा और लात मारने लगा, तू मोटा और मोटा और चिकना हो गया। तब उस ने परमेश्वर को, जिस ने उसे बनाया, त्याग दिया, और अपने उद्धार की चट्टान का तिरस्कार किया। उन्होंने पराए देवताओं के द्वारा उस में जलन उत्पन्न की। क्रोध। उन्होंने उन राक्षसों को बलिदान दिया जो भगवान नहीं थे। जिन देवताओं को वे नहीं जानते थे, उनके लिए हाल ही में नए देवता बन गए, जिनके पिता थे, वे डरते नहीं थे।"

और फिर, व्यवस्थाविवरण की अधिकांश शिक्षाएँ यही कहती रहीं। जब आप जमीन पर जाते हैं, तो खतरा यह है कि आप आत्मसंतुष्ट हो जाएंगे और आप यह सोचना शुरू कर देंगे कि इसका सब कुछ आपके साथ है। और आप अपना इतिहास भूल जाएंगे, और आप वह सब भूल जाएंगे जो भगवान ने आपको वास्तव में इस स्थान पर लाने के लिए और वास्तव में आपको यह भूमि देने के लिए किया है,

तो, इस्राएल के यशरून के संदर्भ में चित्रित, एक ऐसे व्यक्ति के रूप में अवतरित हुआ जो एक ऐसे देश में जाता है जहां मोटा या सबसे अच्छा गेहूं, और मोटा, या अंगूर का सबसे अच्छा खून होता है, और उसमें से खुद मोटा हो जाता है और आत्मसंतुष्ट हो जाता है और फिर अन्य देवताओं का अनुसरण करने लगता है।

"तुमने उस चट्टान की उपेक्षा की जिसने तुम्हें जन्म दिया और उस परमेश्वर को भूल गए जिसने तुम्हें जन्म दिया।" मुझे यह भाग बहुत पसंद है, और इसके समानांतर रखने के लिए यह एक दिलचस्प वाक्यांश है। अवधारणा यह है कि आप भगवान को भूल गए, लेकिन यहां दो अलग-अलग क्रियाओं का उपयोग किया जाता है। पहला पैदा हुआ है। इसका प्रयोग काफ़ी किया जाता है; हमें यह बहुत कुछ और वंशावली मिलती है। यदि आप किसी भी वंशावली को पढ़ते हैं, तो वे इस प्रकार होती हैं, अमुक, अमुक, अमुक, अमुक किससे, अमुक, किससे अमुक, अमुक जन्म हुआ। यह आमतौर पर पुरुषों से जुड़ा होता है। पिता से पुत्र उत्पन्न हुआ जिससे पोता उत्पन्न हुआ।

और हमारे पास यह पुरुष छवि है, और यह वास्तव में अच्छी तरह से फिट बैठती है क्योंकि हमने ईश्वर को इस्राएलियों के पिता के रूप में देखा है, लेकिन समानांतर वाक्यांश है "और उस ईश्वर को भूल गए जिसने तुम्हें जन्म दिया।" और वह जन्म देने वाली क्रिया वास्तव में, केवल एक स्त्री क्रिया है, और इसलिए हमारे पास एक बहुत अच्छे तरीके से, पिता और माँ दोनों के रूप में भगवान की यह तस्वीर है। आप जानते हैं, इस सब तरह से, वह लिंग पहचान से परे है। तो, वह वही है जिसने तुम्हें जन्म दिया; वह वही है जिसने तुम्हें जन्म दिया है।

### **व्यवस्थाविवरण 32:19ff - भूलने से शाप मिलता है और सदोम विषय पर दोबारा गौर किया गया**

गीत के अगले कुछ छंद इस बात की ओर इशारा करते हैं कि कैसे इस्राएली संभवतः ईश्वर से दूर जा रहे हैं। इसलिए, "यहोवा ने यह देखा, और अपने बेटे-बेटियों के क्रोध के कारण उन्हें तुच्छ जाना। तब उस ने कहा, 'मैं उन से अपना मुंह छिपा लूंगा। मैं देखूंगा कि उनका अन्त क्या होगा। क्योंकि हे पुत्रों, वे एक विकृत पीढ़ी हैं जिनमें कोई सच्चाई नहीं है। उन्होंने मुझे ऐसी चीजों से जलाया है जो ईश्वर नहीं हैं। उन्होंने अपनी मूर्तियों से मुझे रिस दिलाई है। इसलिए, मैं उन्हें उन लोगों से रिस दिलाऊंगा जो लोग नहीं हैं। मैं उन्हें रिस दिलाऊंगा एक मूर्ख राष्ट्र।" और यहां, यदि आप थोड़ी सी चुनौती चाहते हैं, तो मैं रोमियों 10 को पढ़ूंगा और देखूंगा कि क्या आप रोमियों 10 में मूसा के गीत के साथ किसी प्रकार के संबंध का पता लगा सकते हैं जो यहां अध्याय 32 में है।

इस गीत में यह भी है कि मूसा लोगों को शिक्षा देता है; इसमें कुछ श्रापों और उनकी पसंद के परिणामों का पूर्वाभ्यास किया गया है। इसलिए, जब वे भगवान को अस्वीकार करते हैं, जब वे दूसरी मूर्तियों को चुनते हैं तो दूर चले जाते हैं, ऐसी चीजें होती हैं जो घटित होने वाली होती हैं।

तो, उनकी एक पूरी सूची है, और मैं श्लोक 30 पर आ रहा हूँ।

यह कहता है, "कोई एक हजार दो का पीछा करके दस हजार को कैसे भगा सकता था, जब तक कि उनकी चट्टान ने उन्हें बेच न दिया हो और प्रभु ने उन्हें दे न दिया हो। वास्तव में, उनकी चट्टान हमारी चट्टान के समान नहीं है, यहाँ तक कि हमारे शत्रुओं ने भी स्वयं इसका निर्णय किया था।

क्योंकि उनकी बेल सदोम की बेल और अमोरा के खेतों की है। उनके अंगूर विषवाले या गुच्छे कड़वे हैं। उनका दाख सांपों का विष और नागों का घातक विष है।"

पुनः, हमारा यह संबंध सदोम और अमोरा से है। और इज़राइल के बेल की तरह होने के इस रूपक से हमारा संबंध है। यह भजन 80 में दिखाई देता है, और यह यशायाह 5 में दिखाई देता है, जहां इसराइल राष्ट्र को एक अच्छी बेल के रूप में चित्रित करने का एक सामान्य तरीका है जिसे भगवान मिस्र से बाहर लाते हैं और पहाड़ी देश में पौधे लगाते हैं और उम्मीद करते हैं कि वे महान फल पैदा करेंगे और तौभी वे ऐसा नहीं करते, और उनका फल खट्टे फल में बदल जाता है। तो, हम इसे यहां मूसा के गीत में भी देख रहे हैं।

इसलिए, यद्यपि मूसा का गीत मानता है कि लोग विमुख हो सकते हैं, लोगों के विमुख होने के कारण दंड मिलेगा। हम इसे उसके साथ कभी नहीं छोड़ते। हम आज्ञाओं का पालन करते हैं लेकिन पुनर्स्थापना की आशा करते हैं।

इसलिए, श्लोक 36 में, यह कहा गया है, "क्योंकि प्रभु अपने लोगों का न्याय करेगा और अपने सेवकों पर दया करेगा। जब वह देखता है कि उनकी ताकत चली गई है, और कोई बंधन या स्वतंत्र नहीं बचा है, तो वह कहता है, 'वे कहां हैं देवताओं, वह चट्टान जिसमें उन्होंने शरण ली थी? जिन्होंने उनके बलिदानों की चर्बी खाई और उनके पेय-बलि का दाखमधु पिया। वे उठें और तुम्हारी सहायता करें। वे तुम्हारे छिपने का स्थान बनें। अब देखो कि मैं, मैं ही वह हूं। मुझे छोड़ कोई ईश्वर नहीं। मैं ही हूं जो मार डालता और जिलाता हूं, मैं ही ने घायल किया है, और मैं ही चंगा करता हूं। कोई नहीं जो मेरे हाथ से बचा सके। मैं ही अपना हाथ स्वर्ग की ओर उठाता हूं, कहो, मैं सर्वदा जीवित रहूंगा, यदि मैं अपनी चमकती हुई तलवार पर धार चढ़ाऊं, और अपना हाथ न्याय को पकड़ लूं। मैं अपने द्रोहियों से पलटा लूंगा, और जो मुझ से बैर रखते हैं उनको बदला दूंगा। मैं तीर को लोह से मतवाला बनाऊंगा, और अपनी तलवार को खून से मतवाला बनाऊंगा मांस खा जाएगा। मारे गए और बंधुओं के खून से, दुश्मन के लंबे बालों वाले नेताओं से, हे राष्ट्रों और उनके लोगों के बीच खुशी मनाओ। क्योंकि वह अपने सेवकों के खून का बदला लेगा और अपने

विरोधियों से बदला लेगा, और करेगा अपने देश और अपनी प्रजा के लिये प्रायश्चित्त करो।" और तब मूसा नीचे आता है, और वह यह वचन कहता है, और वह लोगों को यह गीत सिखाता है।

तो इस गाने से हमने देखा कि कैसे ये गाना अपने आप में उनका इतिहास सिखाता है और गाने में अराजकता से लेकर तोहू तक का तत्व है . वाबोहु , अराजकता का गहरा अंधकार, अराजकता से प्रचुरता की भूमि तक। और जब तुम बहुतायत के देश में पहुंचोगे, तब क्या होगा, इस विषय में सावधान रहना, कि तुम्हारा हृदय कठोर न हो जाए, और विमुख न हो जाए, और दूसरे देवताओं के पीछे हो ले।

यह भी महत्वपूर्ण है कि लोगों के पास सिर्फ जमीन ही नहीं है। वह लक्ष्य नहीं है. लक्ष्य अंदर जाकर बस उस पर कब्ज़ा करना नहीं है, बल्कि लक्ष्य उस भूमि पर जाकर सफलतापूर्वक निवास करना है।

और फिर, गाने में भी, हम देखते हैं कि विस्थापन एक बहुत ही वास्तविक खतरा है। हालाँकि, हम अंत में यह भी देखते हैं कि बहाली की उम्मीद है।

### **व्यवस्थाविवरण 33 - मूसा का इस्राएल को आशीर्वाद**

अध्याय 33 में, हम मूसा के आशीर्वाद के साथ समाप्त होते हैं। तो, मूसा का आशीर्वाद वास्तव में याकूब के आशीर्वाद के समान है जिसे हम अध्याय 49 में उत्पत्ति के अंत में देखते हैं। इसे व्यवस्थाविवरण की पुस्तक के सबसे पुराने हिस्सों में से कुछ भी माना जाता है।

यह प्रारंभ होता है, "अब यह वह आशीर्वाद है जिसके द्वारा परमेश्वर के भक्त मूसा ने अपनी मृत्यु से पहले इस्राएल के पुत्रों को आशीर्वाद दिया था।"

और वह उठता है, और वह सबसे पहले, पूरी इकाई के रूप में लोगों को आशीर्वाद देना शुरू करता है, और फिर वह आगे बढ़ता है और प्रत्येक व्यक्तिगत जनजाति को आशीर्वाद देता

है। जैकब के आशीर्वाद में वास्तव में थोड़ा नकारात्मक स्वर है। कुछ जनजातियों, कुछ भाइयों को आशीर्वाद का सबसे आदर्श संस्करण नहीं मिलता है। मूसा के आशीर्वाद, सभी प्रकार के, काफी सकारात्मक हैं, उनमें से लगभग सभी हैं।

मूसा के उस आशीर्वाद के अंत में, हमें अंत में यह विचार मिलता है कि आशेर आखिरी जनजाति है जो धन्य है। पद 26 में, यह कहा गया है, " यशरून के परमेश्वर के समान कोई नहीं है, " मूसा के गीत से उधार लेते हुए। "वह तेरी सहायता के लिये आकाश पर और अपने ऐश्वर्य में आकाश पर सवार है। अनन्त परमेश्वर का निवास है, और नीचे अनन्त भुजाएं हैं। और उस ने शत्रु को तेरे साम्हने से निकाल दिया, और कहा, 'नाश कर डालो।' इस प्रकार इस्राएल सुरक्षित रहता है। याकूब का सोता अन्न और नये दाखमधु के देश में एकान्त में है। उसके आकाश से ओस भी गिरती है। हे इस्राएल, तू धन्य है, तू भी तेरे समान है, यहोवा जो ढाल है, उसके द्वारा बचाई हुई प्रजा है। तेरी सहायता और तेरे ऐश्वर्य की तलवार से। इसलिथे तेरे शत्रु तेरे साम्हने से घबरा जाएंगे, और तू ऊंचे स्थानोंपर पांव रखेगा।

तो अब, यहाँ व्यवस्थाविवरण के अंत में, व्यवस्थाविवरण 1 की तरह। व्यवस्थाविवरण 1 में, हमने इतिहास सुना कि कैसे लोग लगभग प्रतिज्ञा की भूमि में चले गए। भेदियों ने कहा, यह अच्छा देश है, परन्तु वे अपने डेरों में कुड़कुड़ाने लगे, कुड़कुड़ाने लगे, और शिकायत करने लगे। इस कारण उन्हें जंगल में भटकना पड़ा। और इस प्रकार अब वे अपने देश के छोर पर पहुंच गए, और उन्होंने अपना नियम प्राप्त कर लिया, और उन्होंने मूसा का गीत प्राप्त कर लिया, और उन्होंने मूसा का आशीर्वाद प्राप्त कर लिया। उन्हें अभी भी अंदर जाना है।

तो, भय दूर नहीं हुआ है। उनके दुश्मन दूर नहीं गए हैं। उन्हें अभी भी अंदर जाना है; उन्हें बस यह जानकर अंदर जाने की जरूरत है कि उन्हें डरने की जरूरत नहीं है क्योंकि उनका योद्धा भगवान उनके साथ जा रहा है।

इसलिए, वे उसी तरह के संदर्भ में हैं जैसे वे व्यवस्थाविवरण की शुरुआत में थे। चीजें, प्रासंगिक रूप से, नहीं बदली हैं। उन्हें अभी भी अंदर जाने और अपने दुश्मन का सामना करने की जरूरत है, लेकिन इस बार उन्हें यह जानकर जाना चाहिए कि जिस ईश्वर ने पहले ही मिस्र में



फिरौन का सामना किया था, वह ईश्वर है जो उनके सामने जाता है और वह ईश्वर है जो उन्हें उनकी भूमि देने जा रहा है।

इसलिए, जिस विश्वास के लिए लोगों को बुलाया जाता है, वह केवल कार्य करने का निर्णय लेने का विश्वास नहीं है, चाहे कुछ भी हो। यह एक ऐसा विश्वास है जो उनके इतिहास को पहचानता है, वे पहले कहां थे, और उनका भगवान पहले ही साबित हो चुका है। और यह उन्हें कार्रवाई के लिए बुलाता है। इसलिए, स्थिर नहीं रहना है बल्कि वास्तव में सक्रिय रहना है और जो ज्ञान उनके पास है उसके आधार पर कार्य करना है।

### **व्यवस्थाविवरण 34 - मूसा की मृत्यु**

खैर, व्यवस्थाविवरण अध्याय 34 हमारे लिए सभी चीजों का समापन करने वाला है। तो व्यवस्थाविवरण 34 में, यह तब है जब हमें मूसा की मृत्यु मिलती है। तो, जाहिर है, यह एक संपादक के हाथ से लिखा गया है। तीसरे व्यक्ति में मूसा के बारे में बात की गई है, और यह मूसा की गतिविधि में जीवन का समापन करता है। वह सब कुछ जो हम निर्गमन की पुस्तक से लेकर व्यवस्थाविवरण के अंत तक देख रहे हैं।

तो, मूसा ने लोगों को गाना दिया है। उन्होंने लोगों को आशीर्वाद दिया है। और इसलिए "अब मूसा मोआब के मैदानों से "या" नबो पर्वत पर, पिसगा के शीर्ष पर, जो यरीहो के सामने है, चढ़ गया। और यहोवा ने उसे दान तक गिलाद नाम सारा देश दिखाया। " और चूँकि हमारे पास स्थानों के नामों की एक सूची है। मैं आपके लिए एक और नक्शा पेश करता हूँ।

आपने यह मानचित्र पहले देखा है; फिर, ये मानचित्र बाइबिल पृष्ठभूमि से हैं। यह तारा मोटे तौर पर मोआब का मैदानी इलाका है, जहां हम आमतौर पर लोगों को मूसा के उपदेश सुनने के लिए रखते हैं। और यह कहता है कि मूसा माउंट नीबो तक जाता है, लगभग यहीं। वहाँ कुछ अलग-अलग पर्वत चोटियाँ हैं, और जब आप जॉर्डन की यात्रा पर जाते हैं तो लोग इस बात पर बहस करते हैं कि किस पर जाएँ। लेकिन आइए मूसा को रखें; यह यहाँ इस स्थान पर है। और यह

कहता है कि, यद्यपि मूसा को भूमि में जाने की अनुमति नहीं है, परमेश्वर उसे भूमि दिखाता है। और भूगोल का एक पैटर्न है जिसका उल्लेख यहां किया गया है।

तो, "मैं उसे दान तक गिलियड की भूमि दिखाऊंगा।" डैन सुदूर उत्तर में है। अब निस्संदेह, दान शहर को मूसा के समय में दान नहीं कहा जाता था। इसे लैश कहा जाता था। इसलिए, यह तब तक दान का शहर नहीं बन जाता जब तक कि दान का गोत्र, दानी, आगे बढ़कर लैश शहर को जीत न ले। और वह कथा न्यायाधीशों की पुस्तक के अंत में है। लेकिन हम देख रहे हैं कि जब तक इसे लिखा गया, संपादक को पता था कि कौन लोग इसे सुन रहे हैं, कौन इसे पढ़ रहे हैं; वे उस शहर को डैन के नाम से जानते हैं। और इस प्रकार परमेश्वर ने मूसा को गिलाद से दान तक का पूरा मार्ग दिखाया।

"और संपूर्ण नप्ताली," इसलिए, फिर से, यहोशू की पुस्तक तक जनजातीय विरासतें नहीं दी गई हैं। परन्तु नप्ताली की जनजातीय विरासत वहाँ उत्तर तक है। "और एप्रैम और मनश्शे की भूमि, यहूदा की सारी भूमि," जो पहाड़ी देश का क्षेत्र है, "तट से पश्चिमी समुद्र और नेगेव तक सब कुछ।" हमने यहां पहले नेगेव देखा था, वह अंक 8 या अनंत चिह्न।

"जेरिको की घाटी में मैदान, ज़ोर तक ताड़ के पेड़ों का शहर।" संभवतः ज़ोर को मृत सागर के दक्षिणी छोर पर स्थित माना जाता है।

"तब प्रभु ने उस से कहा।" तो इस सब में हम जो नोटिस करते हैं, मैं वास्तव में आपको जाते हुए सुनता हूं। तो, आपने देखा होगा कि भूमि का पैटर्न, या इन भौगोलिक स्थानों की सूची, वामावर्त दिशा में चलती है। ठीक उत्तर की ओर शुरुआत करते हुए, गिलियड, और फिर आगे बढ़ते हुए माउंट नेबो के क्षेत्र में वापस आने के लिए इस रास्ते से नीचे उतर रहा है।

अब, जब आप आज माउंट नीबो पर खड़े हैं, यदि हवा बहुत, बहुत, बहुत साफ है, तो आप इस भूमि का एक अच्छा हिस्सा देख सकते हैं। शायद यह सब तो नहीं, लेकिन आप इसका एक अच्छा हिस्सा देख सकते हैं। तो, यह संभावना के दायरे में फिट बैठता है, लेकिन यह उतना

महत्वपूर्ण नहीं है जितना कि इस तथ्य को निष्कर्ष निकालने में सक्षम होना कि भगवान उस वादे को पूरा कर रहे हैं जो उन्होंने इब्राहीम को दिया था।

जब इब्राहीम यहां पहाड़ी देश की चोटी पर खड़ा था, और भगवान ने कहा, दाएं और बाएं, उत्तर और दक्षिण की ओर देखो, यही वह भूमि है जो मैंने तुम्हें दी है।

अब पेंटाटेच के अंत में, जब लोग देश में जाने के लिए तैयार हो रहे थे, मूसा ने उन्हें भूमि दिखाई, और यह वह सारी भूमि है जिसके बारे में उसने वादा किया था कि वह यहोशू को नहीं, बल्कि इब्राहीम को देगा। यहोशू इसे ले लेगा।

तो, आयत 5 में, यह कहा गया है, "तब यहोवा का सेवक मूसा यहोवा के वचन के अनुसार मोआब देश में वहीं मर गया। और उस ने उसे मोआब देश की तराई में बेथपोर के साम्हने मिट्टी दी, परन्तु नहीं, मनुष्य आज तक उसके दफ़नाने के स्थान को जानता है। हालाँकि, जब मूसा की मृत्यु हुई तब वह 120 वर्ष का था। उसकी आँखें धुंधली नहीं थीं, न ही उसका जोश कम हुआ था।" इसलिए, वह न केवल अपनी शक्ति के बारे में बात कर रहे हैं, बल्कि शायद इस तथ्य का भी संदर्भ दे रहे हैं कि मूसा अपने पूरे जीवन भर न्यायप्रिय रहे।

" तब इस्राएली मोआब के अराबा में मूसा के लिये तीस दिन तक रोते रहे, और मूसा के रोने और विलाप करने के दिन समाप्त हुए। तब नून का पुत्र यहोशू बुद्धि की आत्मा से भर गया, क्योंकि मूसा ने उस पर अपना हाथ रखा। और इस्राएल के पुत्रों ने उसकी बात मानी और जैसा यहोवा ने मूसा को आदेश दिया था वैसा ही किया। उस समय के बाद से इस्राएल में मूसा के समान कोई भविष्यद्वक्ता नहीं हुआ, जिसे यहोवा ने आमने-सामने जाना। यही कारण है कि यीशु को मूसा की तरह पैगंबर कहना यीशु को देने के लिए एक बहुत ही महत्वपूर्ण और वजनदार प्रकार की उपाधि है।

"यह उन सब चिन्हों और चमत्कारों के लिये है जो यहोवा ने उसे मिस्र देश में फिरौन, और उसके सब कर्मचारियों, और इस सारे देश के सब लोगों, और उसके सारे पराक्रम के विरुद्ध

दिखाने को भेजा था, और उन सब बड़े आतंक के लिये जो मूसा ने दिखाए थे" समस्त इस्राएल की दृष्टि।"

### सारांश/निष्कर्ष

और यही व्यवस्थाविवरण की पुस्तक का निष्कर्ष है। और इसलिए, मैं आपको उन पाठों को याद करने के लिए प्रोत्साहित करूंगा जो व्यवस्थाविवरण लोगों को देना है, या वे विषय जो हमने व्यवस्थाविवरण की पुस्तक में देखे हैं, जिन चीज़ों के बारे में हमने बात की है उन्हें दोहराया गया है, व्यवस्थाविवरण उन पर ज़ोर देने की कोशिश कर रहा है हमारे सिर. व्यवस्थाविवरण स्थान के सभी स्तरों को शामिल करता है, आंतरिक निजी क्षेत्र से लेकर बाहरी सार्वजनिक क्षेत्र तक। यह सब परमेश्वर की आज्ञाओं के प्रति समर्पित होना है।

हमने देखा कि जिस भौतिक भूमि पर इस्राएली जा रहे हैं वह लोगों को परमाणु बना सकती है और उन्हें अलग कर सकती है। उन्हें परमेश्वर के लोगों की एक पहचान के तहत पहचानने में मदद करना बहुत कठिन होगा।

लेकिन उन्होंने चुने हुए स्थान को केंद्र में रखकर और उन त्योहारों को रखकर, जो उनकी कहानी को याद करने में मदद करते हैं, उन सभी को केंद्र में रखकर विविध भूमि में विविध लोगों को एकजुट किया। इसलिए, लोग साल में कई बार याद कर रहे हैं कि वे अपने भाइयों और बहनों के साथ एक हैं।

हमने नेतृत्व पर ध्यान दिया और कैसे नेतृत्व प्राधिकार को अलग नहीं करता है।

और यह नेताओं को समाज के सबसे निर्वाचित और चुने हुए तथा धनी हिस्से के रूप में भी नहीं रखता है।

व्यवस्थाविवरण भी प्रति-सहज ज्ञान युक्त असुविधाजनक प्रकार की उदारता के बारे में सोचता है। और वह असुविधाजनक प्रकार की उदारता ही वह चीज़ है जो वास्तव में समुदाय के स्वास्थ्य की गारंटी देती है।

कानून के नियमों के अंतर्गत, हमने स्व-भोगवादी व्यवहार को विनियमित करने और उस पर अंकुश लगाने के लिए इस आह्वान को देखा है। संयम की भावना और समुदाय के लिए जो अच्छा है उसका अनुसरण करना वास्तव में लोगों को अपनाना चाहिए।

और हमने देखा कि भूमि पर रहने वाले मनुष्य पर्यावरण पर प्रतिक्रिया करते हैं और वे अपने आसपास के भौतिक संसाधनों का उपयोग करते हैं। लेकिन उस पर्यावरण के प्रति उनके कार्य, चाहे वे पौधे हों, जानवर हों, भूमि हों, मिट्टी हों; वे क्रियाएँ बाहर की ओर प्रतिध्वनित होती हैं, और वे मुड़ जाती हैं, और वे वापस आ जाती हैं। इसलिए, यदि लोग किसी स्थान को एक स्वस्थ और जीवंत स्थान बनाने के लिए निवेश करते हैं, तो वह जीवंतता वापस आती है और उन्हें मनुष्य के रूप में प्रभावित करती है और यह उन्हें उत्साहित भी करती है।

इसलिए, मैं यहां व्यवस्थाविवरण की पुस्तक के हमारे अध्ययन के समापन पर कहूंगा, और मैं व्यवस्थाविवरण की शुरुआत में जो कुछ कहता है उसकी नकल करूंगा। व्यवस्थाविवरण की शुरुआत तब हुई जब मूसा ने लोगों से कहा, "हमने होरेब के इस पर्वत, माउंट सिनाई की परिक्रमा की है, हमने इस पर्वत की इतनी देर तक परिक्रमा की है कि हम उठें, जाएं और इसे करें।" इसलिए, यहां हमारे अध्ययन के अंत में, मैं आपसे कहूंगा कि हमने इस पर्वत का काफी लंबा चक्कर लगा लिया है। हमने व्यवस्थाविवरण की पुस्तक को देखा है, और हमने व्यवस्थाविवरण की बड़ी तस्वीर को समझने का प्रयास किया है। तो, हमने काफी देर तक इस पर्वत की परिक्रमा की है, उठो, जाओ, और ऐसा करो क्योंकि व्यवस्थाविवरण हमें यही बुला रहा है कि हम अपने प्रभु को याद करें, भगवान को याद करें, उसने क्या किया है, आप उसके लोग कौन हैं, और फिर उसे जवाब दें ऐसा करके।

यह डॉ. सिंधिया पार्कर और व्यवस्थाविवरण की पुस्तक पर उनका शिक्षण है। यह अंतिम सत्र है, सत्र 14--व्यवस्थाविवरण 31-34।